रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 562] नई दिल्ली, सोमवार, नवम्बर 5, 2001/कार्तिक 14, 1923

No. 562] NEW DELHI, MONDAY, NOVEMBER 5, 2001/KARTIKA 14, 1923

CENTRAL GOVT. LIBRARY

पोत परिवहन मंत्रालय

(पत्तन पक्ष)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 नवम्बर, 2001

सा.का.नि. 826 (अ).—केन्द्र सरकार, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए क्रम संख्या 17 (निम्नलिखित पैरा 2) के सामने उल्लिखित व्यक्ति को माननीय मद्रास उच्च न्यायालय में लम्बित मामले पर अन्तिम निर्णय होने के अध्यधीन एतद्द्वारा तूतीकोरिन पत्तन न्यास के न्यासी मंडल में नियुक्त करती है और भारत सरकार, पोत परिवहन मंत्रालय (पत्तन पक्ष) की दिनांक 17 अप्रैल, 2001 की अधिसूचना सा.का.नि. संख्या 260 (अ) में निम्नलिखित संशोधन करती है।

2. उक्त अधिसूचना में क्रम संख्या-16 और उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित क्रम संख्या एवं प्रविष्टि जोड़ी जाए अर्थात. :—

"17.	श्री सी. रामासामी तूतीकोरिन पत्तन न्यास तूतीकोरिन	पत्तन में नियुक्त श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने के लिए"।

[सं. पी.टी.-18011/2/2001-पी.टी.]

आर. के. जैन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SHIPPING

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 5th November, 2001

G.S.R. 826 (E).—In exercise of powers conferred by Section 3 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby appoints the person mentioned against Sl. No. 17 (paragraph 2 below) on the Board of Trustees of Tuticorin Port Trust subject to the final decision of the case pending before the Hon'ble Madras High Court, and makes the amendment in the Notification G.S.R. No. 260(E) dated 17th April, 2001, of the Government of India in the Ministry of Shipping (Ports Wing).

2. In the said Notification after Serial No. 16 and the entry relating thereto, the following serial number and entry shall be inserted namely :—

"17.	Shri C. Ramasamy Tuticorin Port Trust Tuticorin	—Representing Labour employed in the Port"

[No. PT-18011/2/2001-PT]

R. K. JAIN, Jt. Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054